



OK
21/12/85

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 615] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 31, 1985/पौष 10, 1907
No. 615] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 31, 1985, PAUSA 10, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1985

आदेश

का. आ. 930(अ) 18ककआई डी आर ए/85:—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश नं. का. आ. 85(अ) 18ककआई डी आर ए/78 तारीख 4 फरवरी 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्री काकुलम जिले के बोधिली में खोनी विनिर्माण करने वाले मंसम श्री राम गुर्गुण एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के एकक का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए श्रृंखला किया गया था और जेज्जाम शृंगर फंक्ट्री लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध श्रृंखला करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) 5 कमरा: आदेश सं. का. आ. 901(अ), तारीख 21 नवम्बर 1980 नं. आ. 619(अ), तारीख 3 अगस्त 1981, का. आ. 549(अ), तारीख 2 अगस्त, 1982, का. आ. 83(अ) 18ककआई डी आर ए/

83 तारीख 2 फरवरी, 1983, का. आ. 517(अ) 18ककआई डी आर ए/83, तारीख 2 अगस्त, 1983, का. आ. 65(अ) 18ककआई डी आर ए/84, तारीख 2 फरवरी, 1984, का. आ. 550(अ) 18ककआई डी आर ए/84, तारीख 2 अगस्त 1984, का. आ. 959(अ) 18ककआई डी आर ए/84, तारीख 27 दिसम्बर, 1984, का. आ. 483(अ) 18ककआई डी आर ए/85, तारीख 23 जून 1985 और का. आ. 712(अ) 18ककआई डी आर ए. तारीख 30 नवम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश के 31 दिसम्बर, 1985 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है जमीन के लिए जारी रखा गया था ;

और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि नाकूहा सं. एडू एनोबी है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम 30 जून, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए विभाग द्वारा कीटो लिमिटेड के प्रबंध के अधीन बना रहे ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हेतु यह निवेश की है कि उक्त आदेश 30 जून 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, रोक जारी के लिए प्रभावों बना रहेगा ।

[का. सं. 4(4)/78-सी. यू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 31st December, 1985

ORDER

S.O. 930(E)/18AA/IDRA/85.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 65(E)/18AA/IDRA/78, dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years from the date of publication of the said Order in the Official Gazette and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 901(E), dated the 21st November, 1980, S.O. 619(E), dated the 3rd August, 1981, S.O. 519(E), dated the 2nd August, 1982, S.O. 83(E)/18AA/IDRA/83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 547(E)/18AA/IDRA/83, dated the 2nd August, 1983, S.O. 65(E)/18AA/IDRA/84, dated the 2nd February, 1984, S.O. 556(E)/18AA/IDRA/84, dated the 2nd August, 1984, S.O. 960(E)/18AA/IDRA/84, dated the 27th December, 1984, S.O. 485(E)/18AA/IDRA/85, dated the 25th June, 1985 and S.O. 712(E)/18AA/IDRA/85, dated the 30th September, 1985 respectively, the said Order was continued for a period upto and inclusive of the 31st December, 1985;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited, for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1986

[F. No. 4(4)/78-CUS]

आदेश

का. का. 931 (अ)/18वच/आई डी आर/85:—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग संवालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश, सं. का. आ. 958(अ)/18वच/आई डी आर/80, तारीख 10 दिसम्बर 1980 द्वारा (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वच की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रयुक्त सभी संधियों, समझौतों के हस्तोत्तरण पत्रों,

कारारों परिनतिरारों, पंचातों, स्यादों आदेशों या अन्य लिखतों का उन भिन्न जो 4 फरवरी, 1978 के पश्चात् किए गए हैं या हुए हैं या प्रवृत्त हुए हैं) जिसका आदेश प्रदेश राज्य के श्रीकाकुलम जिले के बोबिली में श्री का विनिर्माण करने वाले भूमि और राम शुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का एक या उक्त एक का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी, एक पञ्चाकार, या जो उक्त एक या कम्पनी को लागू हो, प्रवृत्त 3 अगस्त, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए निरन्तर रहेगा और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से पहले उस अधिनियमित या उक्त सभी अधिकार, विनियमन, आदेशों अं वापिस उक्त अवधि के लिए निरन्तर रहेंगे;

और केन्द्रीय सरकार के उद्योग संवालय (औद्योगिक विकास विभाग के कमरा आदेश सं. का. आ. 622(अ)/18वच/आई डी आर/81, तारीख 4 अगस्त, 1981, का. आ. 550(अ)/18वच/आई डी आर/81, तारीख 2 अगस्त 1982, का. आ. 82(अ)/18वच/आई डी आर/81, तारीख 2 फरवरी 1983, का. आ. 588(अ)/18वच/आई डी आर/81, तारीख 2 अगस्त 1983, का. आ. 66(अ)/18वच/आई डी आर/81, तारीख 2 फरवरी, 1984, का. आ. 557(अ)/18वच/आई डी आर/84, तारीख 2 अगस्त 1984, का. आ. 961(अ)/18वच/आई डी आर/84 तारीख 27 दिसम्बर, 1984, का. आ. 486(अ)/18वच/आई डी आर/85 तारीख 25 जून 1985 और का. आ. 713(अ)/18वच/आई डी आर/85 तारीख 30 सितम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को (सभी मामलों की बाबत उनसे भिन्न जो बैंकों अं वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत वापिसों से संबंधित हैं) 31 दिसम्बर 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है जारी रखा गया था

और केन्द्रीय सरकार का यह समायान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत वापिसों से संबंधित हैं) 30 जून 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ा दी जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18वच की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि को (सभी मामलों की बाबत) (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत वापिसों से संबंधित हैं) 30 जून, 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ा दी है।

[फा. सं. 4(4)/78-सो. यू. एम]

श्रीराम कुमार चानना, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 931(E)/18FB/IDRA/85.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 958(E)/18FB/IDRA/80, dated the 10th December, 1980 (hereinafter referred to as the said Order) the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after 4th February, 1978), to which the unit of Messrs Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh of the company owning the said unit

is a party or which may be applicable to the said unit or company, shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd August, 1981 and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of the said Order shall remain suspended for the said period ;

And, whereas, by the Orders of the Central Government in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 622(E)/18FB/IDRA/81, dated the 4th August, 1981, S.O. 550(E)/18FB/IDRA/82, dated the 2nd August, 1982, S.O. 82(E)/18FB/IDRA/83, dated the 2nd February, 1983, S.O. 548(E)/18FB/IDRA/83, dated the 2nd August, 1983, S.O. 66(E)/18FB/IDRA/84, dated the 2nd February, 1984, S.O. 557(E)/18FB/IDRA/84, dated the 2nd August, 1984, S.O. 961(E)/18FB/IDRA/84, dated the 27th December, 1984, S.O. 486(E)/18FB/IDRA/85, dated the 25th June, 1985 and S.O. 713(E)/18FB/IDRA/85, dated the 30th September, 1985 respectively, the duration of the said Order was continued upto and inclusive of the 31st

December, 1985 (in respect of all matters except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions);

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) should be extended for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1986 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1986.

[F. No. 4(4)/78-CUS]

V. K. CHANANA, Jt. Secy.

